University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

Press Note 27 May 2020

University of Lucknow is starting a few new and innovative schemes for both its teachers and students under the Internal Quality Assurance Cell and the Dean of Student Welfare. IQAC is starting 3 schemes named Protsaahan (a novel scheme for seed money), Uddeepan (Best research paper award) and Acclain (incentivisation policy) for the University teachers. Along with this a scheme for retired teachers of the University named 'Professors of Eminence' is also being started so that their expertise too can be harnessed. Under the Dean of Student Welfare, a Student Welfare Fund (previously named Poor Student Aid Fund) has also been started, as well as a scheme called 'Karmayogi' has also been launched. Under the Karmayogi scheme, every selected student will be awarded a maximum amount of Rs. 15,000/- per academic session.

लखनऊ विश्वविद्यालय अपने शिक्षकों और अपने विद्यार्थियों के लिए इंटरनल क्वालिटी ऐशोरेन्स सेल और अधिष्ठाता छात्र कल्याण के अंतर्गत नयी योजनायें शुरू करने जा रहा है. इंटरनल क्वालिटी ऐशोरेन्स सेल के अंतर्गत कार्यरत अध्यापकों हेतु प्रोत्साहन (नए शिक्षकों के लिए सीड मनी की नूतन योजना), उद्दीपन (सर्वोत्तम शोध पत्र अवार्ड) और एक्लेम (एक इन्सेन्तिवाइज़ेशन पालिसी) जैसी योजनाओं की शुरुवात की गयी है. इसके साथ ही सेवानिवृत्त अध्यापकों की मेधा का लाभ विश्वविद्यालय उठा सके, इसके लिए 'प्रोफेसर ऑफ़ एमिनेंस' की स्कीम भी विश्वविद्यालय चलाने जा रहा है। विद्यार्थियों के लिए भी नयी योजनायें प्रारंभ की गयी है. स्टूडेंट वेलफेयर (छात्र कल्याण) फण्ड (जो पहले पुअर बॉयज फण्ड नाम से जाना जाता था) और 'कर्मयोगी' योजना के तहत अब विश्वविद्यालय के विद्यार्थी लाभ उठा पायेंगे. कर्मयोगी योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को प्रति शैक्षणिक सत्र में अधिकतम रु.15,000/- की धनराशी दी जाएगी.

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

विश्वविद्यालय के विधि संकाय के द्वारा "क्वेस्ट फॉर वर्ल्ड पीस इन २१ सेंच्युरी" विषय पर आयोजित ३ दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में आज दूसरे दिन लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो० राकेश चंद्र ने "रेविज़िटिंग पेरपेचुअल पीस" विषय पर बात की। उन्होने दर्शनिक स्कूल का मानवता के साथ संबंध बताते हुए मानव सोच तथा उसके समाज में उत्तरजीविता पर चर्चा की। साथ ही यह भी कहा कि मनुष्य अब वो जीव नही रह गया जो दूसरों के लिए जीवित रहे। उन्होने रूसो, कांत तथा कार्ल मार्क्स की राजनीतिक मीमांसा पर भी चर्चा की और कहा कि भविष्य के अच्छा या अनुकूल होने का भाव आज के समाज मे शेष नहीं रह गया है। एलयू के दर्शनशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ प्रशांत शुक्ला ने "द नोशन ऑफ वर्ल्ड पीस इन क्लासिकल ग्रीक थाट्स: अ क्रिटिकल एक्सपोजिशन ऑफ़ प्लेटोज़ पोजिशन" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए तथा प्लेटो द्वारा दिये गए वॉर के दो डिविजन्स का वर्णन किया तथा इसका हल शिक्षा को बताया। साथ ही उन्होने प्लेटो की रिपब्लिक मे बताये गए पर्फेक्ट सिटी मॉडल को भी समझाया।। डॉ प्रशांत शुक्ला ने यह भी कहा कि वर्तमान परिदृश्य में जब कोरोना महामारी और लॉकडाउन को लेकर इतना बहस और विवाद है, हम विश्व शांति के लिए तरस रहे हैं तथा विषय को अस्पष्ट बताया। वेबिनार के दूसरे दिन भी विद्यार्थियों, तथा स्कॉलर आदि ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और वेबिनार को सफल बनाया। इस वेबिनार के आयोजन में विधि संकाय विवि के छात्र अध्यक्ष सक्षम अग्रवाल, छात्र संयोजक सचिन वर्मा, छात्र सह-संयोजक विनय यादव तथा दिव्यांशु चतुर्वेदी, छात्र समन्वयक शिशिर यादव तथा शिखर सिंह ने प्रमुख भूमिका निभाई।